STD. X HINDI SECOND TERM EVALUATION - 2022

Answer Key

1. गरीबी की

2. अकाल के कारण घर में दाना नहीं था । इसलिए खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इस कारण दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही ।

3. पोस्टर (संदेश) points - खेती का संरक्षण

खेती का संरक्षण

1 खेती पर हमारा जीवन निर्भर...
खेती नहीं तो हम नहीं ।

2 खेती और किसान को प्रोत्साहन दें...
किसान हमारे अन्नदाता हैं ।

3 अच्छे बीज,खाद,आर्थिक सहायता आदि से किसानों की सहायता करें...
खेती को बढावा दें,खेती का विकास करें ।

4 खेती नहीं तो खाना नहीं...
खाना जीवों की अभूतभूत आवश्यकता है ।

5 भारत एक कृषिप्रधान देश है...
किसानों की उन्नति के बिना देश की उन्नति नहीं होती ।

देशीय किसान दिवस – दिसंबर 23

- हिंदी मंच, जी. एच. एस. एस, कोल्लम

अथवा

कविताांश का आशय

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के मशहूर कवि नागार्जुन की अकाल और उसके बाद नामक कविता से हैं । यहाँ कवि ने अनेक बिंबों और प्रतीकों से सजाकर अकाल की भीषणता का वर्णन किया है ।

अकाल के कारण घर में दाना नहीं था । इस कारण कई दिनों तक खाना पकाने कोई चूल्हा नहीं जलाता और दाना पीसने कोई चक्की के पास नहीं आता । इसलिए दोनों अपनी निर्जीव हालत पर दुखी रही । कानी कुतिया पिछले कुछ दिनों से खाना न मिलने की निराशा से चूल्हा और चक्की के पास सोई थी । भूख मिटाने केलिए कुछ मिलने की तलाश में छिपकलियाँ दीवार पर इधर-उधर घूम रही थीं । भोजन न मिलने से चूहों की हालत भी बहुत शोचनीय थी । अकाल का असर केवल मनुष्यों को ही नहीं अन्य जीव-जंतुओं पर भी पडता है ।

कवि नागार्जुन ने एक भी मानव पात्र को प्रस्तुत न करके अन्य जीव-जंतुओं और निर्जीव पदार्थों के ज़रिए घर की बुरी हालत का चित्रण अच्छी तरह किया है । कविता में अकाल ग्रस्त घर के माहौल को प्रस्तुत करने में कवि सफल हुए हैं । सरल भाषा में लिखी यह कविता बिलकुल प्रासंगिक और अच्छी है ।

4. यह + को = इसको

5. हठ करना

6. वार्तालाप - माँ और मैनेजर के बीच

मैनेजर – हेन्ना जी ... आपको क्या हो गया ... ?
माँ – जी ... नहीं मालूम ... मेरी आवाज़ फट जाती है ।
मैनेजर – आपने गाना क्यों छोड दिया ... ?
माँ – माफ कीजिए ... मैं गा नहीं सकती ।
मैनेजर – अब क्या करें ? लोग बहुत शोर मचा रहे हैं ।
माँ – आप ही बताइए , मुझे क्या करना है ?
मैनेजर – चार्ली को स्टेज पर भेज दूँ ?
माँ – चार्ली को ? नहीं ... वह तो छोटा बच्चा है न ?
मैनेजर – तो क्या ? मैंने उसे आपके कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते हुए देखा है ।
माँ – लेकिन वह तो कमरे के अंदर था । इस उग्र भीड को वह कैसे संभालेगा ?
मैनेजर – आप चिंता न कीजिए , चार्ली एक होनहार बच्चा है न ? वह ज़रूर इस भीड को शांत करेगा ।
माँ – तो ठीक है, आपकी मर्ज़ी ।

SREEJITH.R, KOVOOR VARKALA, SCRT45

अथवा

माँ की डायरी

तारीख : ....

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ ? ... दुख और खुशी भरा दिन । मेरा लाडला चार्ली आज शो मैन बन गया । उसका पहला शो हमेशा यादों में रहेगा । लगता है मैं आगे गा नहीं पाऊँगी । गले में खराबी है । गाते वक्त मेरी आवाज़ को फटते देखकर मैनेजर के साथ वह स्टेज पर लाया गया । मैं बहुत डर गयी थी । लेकिन बेटा चार्ली ने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर, बातचीत करके, नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर सबको खुश कराने लगा । खूब पैसा भी मिला । शैतान, मेरी फटी आवाज़ का भी नकल उतार दी । हे भगवान ! आगे भी मेरा लाडला शो में कमाल करे ।

7. देती है ।

8. जोखू को बहुत प्यास लग रहा है । लेकिन गंगी ने जो पानी उसे पीने को दिया उससे सख्त बदबू आ जाने से वह पी नहीं पा रहा था । गला तो सूखा जा रहा था ।

9. पटकथा

स्थान - एक झोंपडी के अंदर ।
समय - दोपहर के दो बजे ।
पात्र - 1. गंगी, 40 साल की औरत, साड़ी पहनी है ।
2. जोखू, 50 साल का आदमी, धोती और बनियन पहना है ।
दृश्य का विवरण - प्यास से परेशान होकर जोखू कमरे की पलंग पर बैठा है । उसको गंगी पीने केलिए लोटे में पानी देती है ।

संवाद -

जोखू - बहुत प्यास लग रही है । थोडा पानी लाओ ।
गंगी - अभी लाती हूँ ।
जोखू - (लोटा मुँह से लगाकर) यह कैसा पानी है ? तू यह पानी कहाँ से लायी ?
गंगी - दूर के कुएँ से । कल ही लायी हूँ । क्या हुआ ?
जोखू - मारे बास के पिया नहीं जाता । गला सूखा जा रहा है और तू सडा पानी पिलाए देती है !
गंगी - (लोटा नाक से लगाकर) हाँ बदबू है । मगर कैसे ? कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा ।
जोखू - (थोडी देर बाद) प्यास सह नहीं पाता । ला, थोडा पानी, नाक बंद करके पी लूँ ।
गंगी - मैं नहीं दूँगी, खराब पानी से आपकी बीमारी बढ जाएगी । मैं कहीं से दूसरा पानी लाकर देती हूँ ।
जोखू - दूसरा पानी ! कहाँ से लाएगी ?
गंगी - ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं, क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे ?
जोखू - हाथ-पाँव तुडवा आएगी । बैठ चुपके से ।
गंगी - आप चिंता मत कीजिए । मुझे पता है क्या करना है ।
जोखू - ठीक है । तुम्हारी मर्ज़ी । जल्दी वापस आना ।

(मन में साहस भरकर गंगी रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल जाती है ।)

10. बसंत ऋतु में

11. पानी से भरी गागरों के ऊपर

12. वाक्य पिरामिड

* बच्चे चुनते हैं ।
* बच्चे फूल चुनते हैं ।
* बच्चे **देर शाम तक** फूल चुनते हैं ।
* बच्चे देर शाम तक **खुशी से** फूल चुनते हैं ।

13. **रपट (उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई त्यौहार मनाया)**

फूलदेई का जश्न धूमधाम से मनाया गया

स्थान : .... उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में इक्कीस दिनों से फूलदेई का त्योहार मना रहे थे। यह त्योहार पूर्ण रूप से बच्चों के द्वारा मनाया गया। बडों की भूमिका सिर्फ सलाह देना मात्र रहा। बच्चों ने रोज़ देर शाम तक रिंगाल से बनी टोकरियों में फूल चुने और गागरों में पानी भरकर उसके ऊपर रखे। रोज़ सुबह गाँव भर बच्चों की टोलियाँ घूमीं। पिछली शाम चुने गए फूल घरों की देहरियों पर सजाए गए। जिनके घरों में फूल सजाए गए उन्होंने बच्चों को चावल,गुड,दाल आदि दिए। दक्षिणा में मिली यह सामग्री पूरे इक्कीस दिन तक इकट्ठी की गई। फूलदेई की विदाई के साथ यह उत्सव कल समाप्त हुआ। अंतिम दिन कल इकट्ठी की गई सामग्रियों से सामूजिक भोज बनाया गया। त्योहार के दिनों में लोकगीतों की प्रस्तुति हुई थीं। नाटक, प्रतियोगिता, गरीब लोगों केलिए कपडा वितरण आदि विभिन्न कार्यक्रम इसके साथ चलाए गए।

अथवा

सही मिलान करें।

बच्चे देर शाम तक	फूल चुनते हैं।
बच्चों की टोलियाँ	गाँव भर घूमती हैं।
फूलदेई का त्यौहार	बसंत में आता है।
चुने गए फूलों से	बच्चे देहरियाँ सजाते हैं।

14. चार्ली की

15. स्टेज में पहली बार उतरे पाँच साल के चार्ली ने अपने भोलापन से दर्शकों के मन को आनंदित कर दिया। इस उम्र में उसने ऐसा कर दिया तो बाद में बडे होकर वह क्या–क्या नहीं कर सकता। इसलिए ऐसा कहा गया है।

16. **चार्ली का पत्र (अपनी पहली शो)**

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ।

पिछले हफ्ते माँ के आवाज़ खराब होने से मुझे पहली बार स्टेज पर जाना पडा। लोग बहुत शोर मचा रहे थे। पहले मैं बहुत डर गया था। फिर भी मैं अपनी मासूमियत से मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया। गाना आधा ही हुआ तो स्टेज पैसों की बौछार होने लगी। फिर मैंने अपनी निष्कलंकता से गीत गाकर, बातचीत करके, नृत्य करके और गायकों की नकल उतारकर सबको खुश कराने लगा। खूब पैसा भी मिला। लोगों ने मुझे एक शो मैन की तरह मान लिया था। मेरा यह पहला शो हमेशा यादों में रहेगा।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता।

17. विद्रोही

18. **सही प्रस्ताव**

*रिवाज़ी पाबंदियों के विरुद्ध गंगी में विद्रोह की भावना है।

*गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाती है।

*गाँव के सभी लोग ठाकुर के कुएँ से पानी नहीं ले सकते थे।

*जोखू को गंदा पानी पीने से गंगी मना करती है।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45